भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3133

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

पर्वतमाला परियोजना और रोपवे परियोजनाएं

3133. श्री चिन्तामणि महाराज:

डॉ. मन्ना लाल रावत:

श्री अरविंद धर्मापुरी:

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह:

श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:

श्री दिलीप शइकीया:

श्री नलिन सोरेन:

श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान:

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत:

श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

श्री गोडम नागेश:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत चिह्नित, स्वीकृत, समीक्षाधीन, कार्यान्वयनाधीन तथा पूर्ण की जा चुकी रोपवे परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तथा जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या देश में और अधिक रोपवे परियोजनाओं का प्रस्ताव है, यदि हाँ, तो धार्मिक अथवा पर्वतीय पर्यटन स्थलों सहित प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, अनुमानित लागत तथा निर्धारित समय-सीमा का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत, विशेषकर पर्वतीय, दुर्गम एवं जनजातीय क्षेत्रों में रोपवे परियोजनाओं के विकास में हुई प्रगति का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त परियोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा झारखंड के पर्वतीय एवं पर्यटन की संभावना वाले क्षेत्रों को शामिल करने या भविष्य में उनका विकास करने का है, यदि हाँ, तो प्रस्तावित अथवा स्वीकृत रोपवे परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और ब्यौरा क्या है;

(ङ) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) अथवा अन्य मॉडलों के अंतर्गत रोपवे परियोजनाओं के अनुमोदन तथा क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;

(च) उक्त परियोजनाओं के अंतर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन, अंतिम छोर तक संपर्क (लास्ट-माइल कनेक्टिविटी), स्थानीय आर्थिक विकास, रोजगार सृजन तथा समग्र क्षेत्रीय विकास पर पर्वतमाला परियोजना का क्या अपेक्षित प्रभाव रहा है; और

(छ) जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में सर्वांगीण आर्थिक विकास तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क), (ख) और (ग) विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं।

(घ), (ङ), (च) और (छ) सरकार ने केंद्रीय बजट 2022-23 में पर्वतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम-मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए रोपवे का विकास करना है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के स्थान पर रोपवे पारिस्थितिक रूप से एक दीर्घकालिक विकल्प है। इसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा को उन्नत करना है। इससे भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों को भी कवर किया जा सकता है, जहां पारंपरिक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली व्यवहार्य नहीं है।

परियोजनाएं मुख्य रूप से हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम), डिज़ाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफर (डीबीएफओटी) मोड और इंजीनियरी, प्रापण और निर्माण (ईपीसी) मोड के तहत कार्यान्वित की जाती हैं। रियायत अवधि के दौरान निर्माण, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी रियायतग्राही की होती है। एचएएम के तहत, संपूर्ण राजस्व प्राधिकरण द्वारा एकत्र किया जाता है; डीबीएफओटी के तहत, राजस्व रियायतग्राही द्वारा संग्रहण किया जाता है।

जनजातीय क्षेत्रों सहित रोपवे और राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना का विकास एक सतत प्रक्रिया है। पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत तकनीकी-वित्तीय परिणामों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), निर्धारित तकनीकी और वित्तीय मानदंडों की पूर्ति, कनेक्टिविटी की आवश्यकता, यातायात घनत्व, पारिस्थितिक प्रभाव और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर रोपवे परियोजनाओं को आरंभ किया जाता है।

पर्वतमाला परियोजना और रोपवे परियोजनाओं के संबंध में श्री चिंतामणि महाराज और अन्य द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3133 के भाग (क), (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्रमांक	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	ज़िला	रोपवे परियोजना का नाम (लंबाई, एल)	मोड	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	पूरा होने की संभावित तिथि	स्थिति / टिप्पणियाँ
1	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	वाराणसी (लंबाई - 3.85 किमी)	एचएएम	815.58	नवंबर 2026	कार्यान्वयन के अधीन
2	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	संगम प्रयागराज (लंबाई-2.2 किमी)	एचएएम	230.00	अप्रैल 2027	कार्यान्वयन के अधीन
3	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	बिजली महादेव (लंबाई-2.32 किमी)	एचएएम	283.92	प्राधिकरण द्वारा समाप्ति का आशय पत्र जारी किया गया।	परियोजना सौंप दी गई है लेकिन स्थानीय विरोध के कारण इस पर पुनर्विचार किया जा रहा है।
4	मध्य प्रदेश	उज्जैन	महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन (एल-1.76 किमी)	एचएएम	272.03	प्राधिकरण द्वारा समाप्ति का आशय पत्र जारी किया गया। डीबीएफओटी मोड पर अन्वेषण किया जा रहा है।	परियोजना का डीबीएफओटी मोड पर पुनर्विचार किया जा रहा है।
5	मध्य प्रदेश	सागर	टिकिटोरिया माता मंदिर (लंबाई -0.15 किमी)	ईपीसी	21.89	जुलाई 2027	कार्यान्वयन के अधीन
6	हरियाणा	महेंद्रगढ़	धोसी पहाड़ी (लंबाई-0.88 किमी)	एचएएम	67.90	मार्च 2027	कार्यान्वयन के अधीन
7	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	शंकराचार्य मंदिर (लंबाई - 1.05 किमी)	एचएएम	147.23	रियायतग्राही की नियत तिथि से 2 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।
8	उत्तराखंड	रुद्रप्रयाग	केदारनाथ (लंबाई-12.9 किमी)	डीबीएफओटी	4081.28	मई-2032	परियोजना आवंटित की गई है

क्रमांक	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	ज़िला	रोपवे परियोजना का नाम (लंबाई, एल)	मोड	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	पूरा होने की संभावित तिथि	स्थिति / टिप्पणियाँ
9	उत्तराखंड	चमोली	हेमकुंड साहिब जी (लंबाई-12.4 किमी)	डीबीएफओटी	2730.13	मई-2032	परियोजना आवंटित की गई है
10	महाराष्ट्र	नागपुर	रामटेक गढ़ मंदिर (लंबाई - 0.64 किमी)	एचएएम	151.50	नियत तिथि से 1.5 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।
11	असम	कामरूप	कामाख्या देवी मंदिर (लंबाई -1.43 किमी)	डीबीएफओटी	213.24	नियत तिथि से 1.5 वर्ष	अनुमोदित और बोली प्रक्रिया के अधीन है।
12	उत्तराखंड	नैनीताल	काठगोदाम - नैनीताल (लंबाई-14.9 किमी)	-	-	-	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर काम चल रहा है। कार्यान्वयन के मोड सहित निवेश संबंधी निर्णय डीपीआर का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन, मानदंडों की पूर्ति, कनेक्टिविटी की आवश्यकता, अंतर-संबंधी प्राथमिकता और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर लिए जाते हैं।
13	महाराष्ट्र	नासिक	पेगलवाड़ी - ब्रह्मगिरि (लंबाई -3.96 किमी)	-	-	-	
14	अरुणाचल प्रदेश	तवांग	तावांग रोपवे (लंबाई - 5.15 किमी)	-	-	-	
15	गुजरात	गांधीनगर	गिफ्ट सिटी (लंबाई-2.35 किमी)	-	-	-	

*****